अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 | संख्या 88 | श्री विजय पुरम, बुधवार, 01 अप्रैल 2026 | web: dt.andamannicobar.gov.in | 2.00 रूपए

ऑफशोर एक्वाकल्चर का विस्तार: अण्डमान ओपन–सी मछली पालन प्रोजेक्ट

भारत का अण्डमान सागर में पहला ओपन–सी मछली पालन प्रोजेक्ट समुद्री संसाधनों के सतत उपयोग और ब्लू इकोनॉमी को मजबूत करने की दिशा में विज्ञान–आधारित समुद्र में मत्स्य/जलीय जीवों की खेती की ओर एक रणनीतिक बदलाव का संकेत देता है।

अण्डमान सागर में भारत का पहला ओपन–सी समुद्री मछली पालन प्रोजेक्ट देश के 20 लाख वर्ग किमी के विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईज़ेड) की अप्रयुक्त क्षमता को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भारत के मत्स्य क्षेत्र के संचालन में अधिक नियंत्रित और विज्ञान–आधारित मॉडल की ओर बदलाव को भी दर्शाता है, जिससे सतत समुद्री उत्पादन को मजबूती मिलती है। 2025 की खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक मछली भंडार का एक–तिहाई से अधिक (35. 5 प्रतिशत) अत्यधिक दोहन का शिकार है, जबकि 2022 में वैश्विक मछली उत्पादन 223 मिलियन टन से अधिक आंका गया था।

पारंपरिक रूप से निकट–तटीय या कैप्चर–आधारित मत्स्य पालन पर निर्भर और उन्नत तकनीकों के सीमित उपयोग वाला भारत का मत्स्य क्षेत्र मछली संसाधनों पर बढ़ते दबाव, पर्यावरणीय प्रभावों और जलवायु परिवर्तनशीलता का सामना कर रहा है। अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भारत के लिए समुद्री मत्स्य एवं जलजीव पालन (एक्वाकल्चर) की ओर परिवर्तन के लिए एक आदर्श वातावरण प्रदान करते हैं, जहां अत्याधुनिक तकनीकें उत्पादकता बढ़ाने और पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद करती हैं। सीमित औद्योगिक प्रभाव, स्वच्छ समुद्री वातावरण और ईईज़ेड के भीतर रणनीतिक स्थिति का संयोजन इसे ओपन–सी फिश फार्मिंग के लिए उपयुक्त बनाता है।

तट से परे एक्वाकल्चर का विस्तार

भारत वैश्विक स्तर पर मछली उत्पादन में दूसरे स्थान पर है, लेकिन समुद्री एक्वाकल्चर का कुल उत्पादन में योगदान अभी भी सीमित है, क्योंकि अधिकांश उत्पादन कैप्चर फिशरी से आता है। कैप्चर फिशरी पर अत्यधिक निर्भरता अस्थिर उत्पादन को जन्म देती है, जिससे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और जलवायु पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यद्यपि तटीय एक्वाकल्चर अधिक नियंत्रित प्रणाली है, लेकिन यह भूमि की सीमित उपलब्धता, रोग जोखिम, अपशिष्ट प्रबंधन, जैव सुरक्षा चिंताओं और तटीय समुदायों तथा पर्यटन के साथ प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं से बाधित है।

छवि स्रोतः अनस्प्लैश

इन सीमाओं को देखते हुए ऑफशोर केज–आधारित एक्वाकल्चर जैसे वैकल्पिक प्रणालियों को अपनाना आवश्यक है, जो तटीय क्षेत्रों पर पारिस्थितिक दबाव को कम करते हैं। ऐसे मॉडल अपनाने से जलवायु और सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप भारत की ब्लू इकोनॉमी के विस्तार में मदद मिल सकती है, साथ ही 2026–27 के केंद्रीय बजट में तकनीक–आधारित विकास के माध्यम से मत्स्य क्षेत्र और तटीय आजीविका को मजबूत करने के उद्देश्य को भी समर्थन मिलता है।

ऑफशोर प्रणालियां आमतौर पर गहरे पानी में संचालित होती हैं, जहां प्राकृतिक

शेष पृष्ठ 4 पर

शुभकामनाएँ

1 अप्रैल, 2026 को ओडिशा के स्थापना दिवस के अवसर पर, इस सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और जीवंत राज्य के लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

ओडिशा भारत की शाश्वत भावना का प्रतीक है, एक ऐसी भूमि जहाँ प्राचीन परंपराएँ आधुनिक आकांक्षाओं के साथ सहजता से विलीन हो जाती हैं। पुरी के पवित्र तटों से लेकर कोणार्क के सूर्य मंदिर की स्थापत्य कला की भव्यता तक, यह राज्य भक्ति, कलात्मक उत्कृष्टता और सदियों से संवर्धित गौरवशाली विरासत का प्रमाण है।

पिछले कुछ वर्षों में, ओडिशा ने अपनी अनूठी सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखते हुए विकास में उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रगति, समावेशी विकास और विरासत संरक्षण के प्रति इसकी प्रतिबद्धता एक प्रगतिशील समाज के सच्चे सार को दर्शाती है। ओडिशा की वास्तविक शक्ति उसके लोगों में निहित है, जो 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण से राष्ट्र की प्रगति को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।

इस विशेष अवसर पर, मैं इन द्वीपों में रहने वाले ओडिशा के लोगों और इस महान राज्य की विरासत को संजोने वाले सभी लोगों के लिए शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की शुभकामनाएँ देता हूँ।

ह.
(एडमिरल डी.के. जोशी)
पीवीएसएम, एवीएसएम, वाईएसएम, एनएम, वीएसएम (अ.प्रा.)
उप राज्यपाल
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह
एवं उपाध्यक्ष, द्वीप विकास एजेंसी

वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों के लिए उन्नत सुविधाओं का उद्घाटन

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

सम्माननीय केंद्रीय विमानन मंत्री, श्री श्री किंजरापु राममोहन नायडू ने 29 मार्च को भारत के 57 हवाई अड्डों पर उन्नत यात्री सुविधाओं का उद्घाटन किया, जिसमें मुफ्त उच्च गति इंटरनेट सेवा भी शामिल है। यह पहल यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और सुविधाओं को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से पूरे देश में शुरू की गई है। उद्घाटन समारोह वर्चुअल माध्यम से वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, श्री विजय पुरम से संपन्न हुआ, जिसमें हवाई अड्डा प्राधिकरण के कर्मचारी और अन्य प्रमुख हितधारक शामिल हुए।

इस उन्नयन के तहत यात्रियों के लिए उडान यात्री कैफे, डिजी यात्रा सुविधा, सहायता केंद्र, पुस्तकालय और बाल क्षेत्र जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई गई हैं। यह सुविधा पहले से उपलब्ध सहायता केंद्र, बाल क्षेत्र और डिजी यात्रा जैसी सुविधाओं के साथ यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाएगी।

उच्च गति इंटरनेट सेवा यात्रियों को निर्बाध संचार प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिससे वे वीडियो कॉल, ऑनलाईन सेवाओं और अन्य आवश्यक अनुप्रयोगों का आसानी से उपयोग कर सकें। इसकी सरलता और उपयोगिता के कारण यात्रियों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हो रही है।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, श्री विजय पुरम पर यात्री इस मुफ्त इंटरनेट सेवा का लाभ आधिकारिक नेटवर्क का चयन कर और मोबाइल नंबर के माध्यम से एक बार का प्रमाणीकरण प्राप्त कर सरल पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करके उठा सकते हैं। यह उन्नयन, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मार्गदर्शन में, विशेष रूप से अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर आधुनिक और बेहतर यात्री सेवाओं को सुनिश्चित करने के लिए किया गया है।

भारतीय सेना भर्ती 2027 के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ी

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

भारतीय सेना की भर्ती वर्ष 2027 के लिए भर्ती अधिसूचना 13 फरवरी, 2026 को जारी की गई थी और आधिकारिक वेबसाइट ूरवपदपदकपंदंतउलण्दपबण्पद पर ऑनलाइन पंजीकरण की पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 1 अप्रैल, 2026 थी। आकांक्षी उम्मीदवारों को अधिक अवसर प्रदान करने के लिए अब ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि को 10 अप्रैल, 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इस विस्तार का उद्देश्य योग्य युवाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना है, जिन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना पंजीकरण पूरा नहीं किया था। सभी उम्मीदवारों से अनुरोध किया गया है कि वे इस अतिरिक्त अवसर का लाभ उठाएँ और संशोधित अंतिम तिथि से पहले अपना आवेदन पूरा करें।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार आवेदकों को यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि वे निर्धारित पात्रता मानदंड, जिसमें शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा शामिल हैं, पूरी तरह से पूर्ण करें और पंजीकरण के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज़ सही तरीके से अपलोड करें। भारतीय सेना राष्ट्र के युवाओं को गर्व, सम्मान और समर्पण के साथ सशस्त्र बलों में सेवा करने का समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह से स्वचालित, निष्पक्ष और पारदर्शी है। उम्मीदवारों को यह चेतावनी दी जाती है कि चयन में प्रभाव डालने का दावा करने वाले दलाल या धोखेबाज एजेंटों से सावधान रहें। चयन पूरी तरह योग्यता और मेरिट के आधार पर किया जाएगा, और किसी भी मध्यस्थ का भर्ती प्रक्रिया में कोई अधिकार नहीं है।

लिटिल अण्डमान का फेम टूर सफलतापूर्वक संपन्न

बटलर बे तट में 9 से 12 अप्रैल तक भव्य सर्फिंग महोत्सव की घोषणा

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशालय द्वारा 29 से 31 मार्च, 2026 (3 दिन/2 रात) तक लिटिल अण्डमान द्वीप का परिचयात्मक पर्यटन दौरा (फेम टूर) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जो द्वीप को एक उभरते पर्यटन स्थल के रूप में प्रस्तुत करने और इसे यात्रा एवं डिजिटल प्लेटफार्मों पर बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि करता है।

संक्षिप्त सूचना के बावजूद इस पहल को प्रमुख यात्रा एजेंटों और हितधारकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। प्रतिभागियों में विभाग के प्रतिष्ठित और पंजीकृत यात्रा एजेंट जैसे अण्डमान फिएस्टा (स्वर्ण श्रेणी) और बेस्ट अण्डमान डील (स्वर्ण श्रेणी), अंटोआ और फोर्टो के अध्यक्ष एवं सदस्य, मीडिया प्रभावक, हटबे से हितधारक तथा पर्यटन विभाग और दूरदर्शन के अधिकारी शामिल थे। इस यात्रा ने प्रतिभागियों को लिटिल अण्डमान के प्रमुख आकर्षणों का गहन अनुभव प्रदान किया, जिसमें बटलर बे तट, व्हाइट सर्फ जलप्रपात, नेताजी नगर तट और अन्य पारिस्थितिक पर्यटन स्थल शामिल हैं। द्वीप की निर्मल सुंदरता, शांत वातावरण और अपरिष्कृत आकर्षण ने प्रतिभागियों पर गहरा प्रभाव डाला।

सजग योजना के तहत यात्रा कार्यक्रम में स्थल भ्रमण के साथ स्थानीय यात्रा एजेंटों, होटल मालिकों, पंचायत प्रतिनिधियों और

स्वयं सहायता समूह के साथ सार्थक बातचीत शामिल की गई, जिससे पर्यटन अवसंरचना, स्थानीय अनुभव और सतत विकास के अवसरों की महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

इस दौरे का एक महत्वपूर्ण पहलू द्वीप की सांस्कृतिक समृद्धि पर ज़ोर था। प्रतिभागियों का मत था कि पर्यटन का भविष्य "अनुभव आधारित यात्रा" में निहित है, जहाँ आगंतुक स्थानीय परंपराओं,

शेष पृष्ठ 4 पर

"सेट सेल, अण्डमान!" अनिडको ने युवा द्वीपवासियों के लिए रोमांचक सेलिंग कार्यक्रम की शुरुआत की

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह एक नई और रोमांचक दिशा की ओर बढ़ रहा है, जहाँ अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह एकीकृत विकास निगम (अनिडको) अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत स्कूली बच्चों को पर्यावरण–अनुकूल और आकर्षक खेल सेलिंग (नौकायन) से परिचित कराने जा रहा है। यह कार्यक्रम अनिडको के अण्डमान निकोबार सेलिंग क्लब (एएनएससी) के सहयोग से संचालित किया जाएगा।

पहले चरण में, 7 से 14 वर्ष आयु वर्ग के स्कूली बच्चों को सेलिंग के मूलभूत कौशल सिखाने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण मई और जून, 2026 के दौरान आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक बैच में 10 से 15 प्रतिभागी होंगे और कुल लगभग 100 बच्चों को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक बैच का प्रशिक्षण एक सप्ताह की अवधि का होगा।

सफल प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद प्रत्येक प्रतिभागी को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण की

शेष पृष्ठ 4 पर

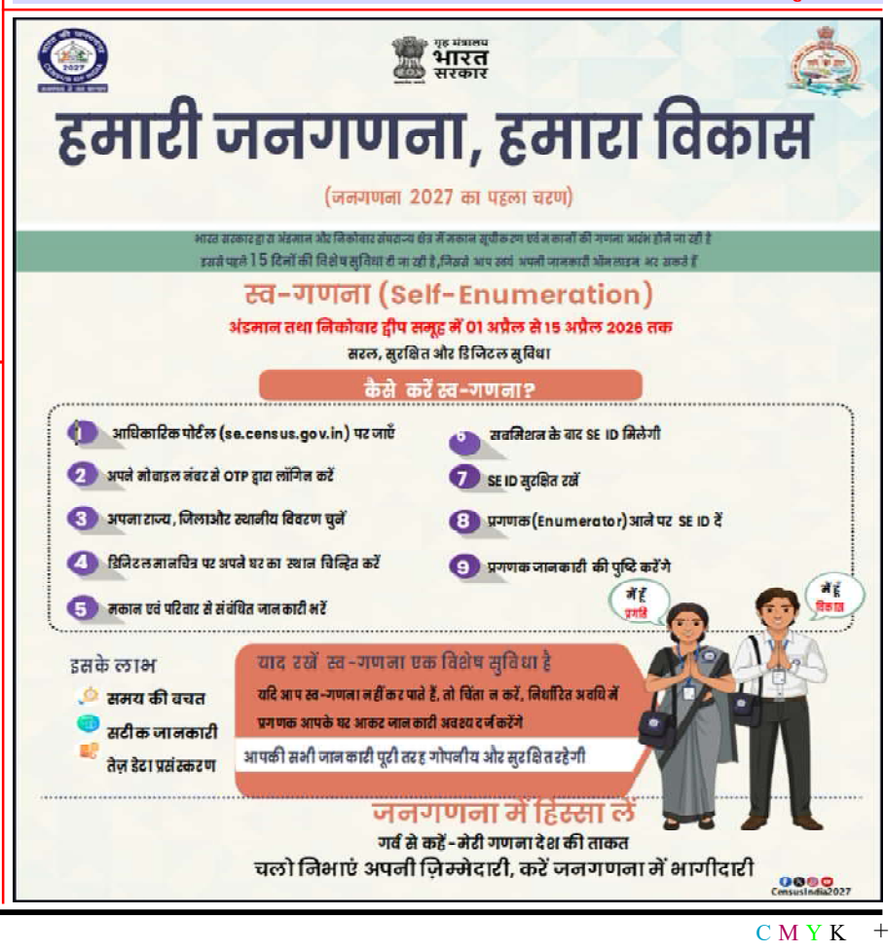

अण्डमान तथा निकोबार की नेता बेस्ट बीकन लीडर–2026 से सम्मानित

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए गर्व और प्रेरणा के एक महत्वपूर्ण क्षण में, श्रीमती अनीता मंडल, प्रधान, ग्राम पंचायत केरलापुरम, डिगलीपुर, उत्तर अण्डमान को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'सशक्त पंचायत नेत्री अभियान' के तहत बेस्ट बीकन लीडर–2026 के रूप में सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान ज़मीनी स्तर पर लोकतंत्र को सशक्त बनाने में उनके उत्कृष्ट नेतृत्व और समर्पित सेवा को मान्यता देता है, जो पंचायती राज प्रणाली में सक्रिय भागीदारी के माध्यम से संभव हुआ है। यह पुरस्कार समावेशी शासन, सामुदायिक भागीदारी और सतत ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में महिला नेताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

सशक्त पंचायत नेत्री अभियान का उद्देश्य निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को सशक्त बनाना है, जिसमें उनकी नेतृत्व क्षमता को बढ़ाना, स्थानीय शासन में नवाचार को प्रोत्साहित करना और गांव स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करना शामिल है।

ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी

शेष पृष्ठ 4 पर

द्वीपों के छात्रों के लिए भुवनेश्वर के आईआईटीटीएम पर्यटन प्रबंधन पाठ्यक्रमों में सीटें आरक्षित, 19 अप्रैल को प्रवेश परीक्षा

श्री विजय पुरम, 31 मार्च।

सहायक सचिव (उच्च शिक्षा) से प्राप्त विज्ञप्ति में सभी संबंधित उम्मीदवारों को सूचित किया गया है कि भारतीय यात्रा एवं पर्यटन प्रबंधन संस्थान, भुवनेश्वर (पर्यटन मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त निकाय) के सहायक प्रोफेसर एवं प्रवेश अध्यक्ष ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के छात्रों के लिए बीबीए (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन) और एमबीए (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन) में 10–10 सीटें आरक्षित की हैं।

सहायक प्रोफेसर और प्रवेश अध्यक्ष ने आगे सूचित किया कि बीबीए कार्यक्रम में प्रवेश के लिए इच्छुक छात्रों को संस्थान के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा और उम्मीदवार को सीयूईटी–यूजी या आईआईटीटीएम द्वारा आयोजित लिखित ''आईआईटीटीएम प्रवेश परीक्षा (आईआईएटी)'' में शामिल होना होगा, जो 19 अप्रैल, 2026 को निर्धारित है। इसके बाद समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार होगा। एमबीए कार्यक्रम के लिए, छात्रों को संस्थान द्वारा आयोजित आईआईटीटीएम प्रवेश परीक्षा (आईआईएटी) में शामिल होना होगा या किसी भी प्रबंधन प्रवेश परीक्षा जैसे एमएटी (प्रबंधन योग्यता परीक्षा)/कैट (सामान्य प्रवेश परीक्षा)/सीमैट (सामान्य प्रबंधन प्रवेश परीक्षा)/एक्सएटी (ज़ेवियर योग्यता परीक्षा)/जीमैट (स्नातक प्रबंधन प्रवेश परीक्षा)/एटीएमए (प्रबंधन प्रवेश के लिए एआईएमएस परीक्षा)/सीयूईटी–पीजी में वैध स्कोर होना चाहिए। इसके बाद समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार होगा। भुवनेश्वर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज़्म एंड ट्रैवल मैनेजमेंट (आईआईटीटीएम) में उपरोक्त कार्यक्रम में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों से अनुरोध किया गया है कि वे प्रवेश प्रक्रिया, पात्रता, शुल्क संरचना आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइट **www.iittm.ac.in** पर जाएं।

अण्डमान तथा निकोबार की नेता बेस्ट पृष्ठ 1 का शेष

स्थानीय निकाय निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार यह उपलब्धि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो ज़मीनी स्तर पर परिवर्तनकारी बदलाव लाने में महिला नेताओं की बढ़ती शक्ति और आत्मविश्वास को दर्शाती है। यह जीवंत, पारदर्शी और जन–केंद्रित पंचायती राज संस्थाओं के निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को भी सुदृढ़ करती है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का अवसर उन महिला प्रतिनिधियों के समर्पण, दृढ़ता और नेतृत्व को सम्मानित करने के लिए एक उपयुक्त मंच साबित हुआ, जो निरंतर समुदायों को प्रेरित कर रही हैं और ग्रामीण विकास में सार्थक योगदान दे रही हैं।

लिटिल अण्डमान का फेम टूर पृष्ठ 1 का शेष

जीवन शैली और विरासत के साथ जुड़ सकें, और इससे द्वीप की विशिष्ट और समृद्ध पहचान बन सके। प्रतिभागियों ने इस पहल की सराहना की और द्वीप की विशाल पर्यटन संभावनाओं को स्वीकार किया, साथ ही बढ़ती पर्यटक संख्या का समर्थन करने के लिए निरंतर अवसंरचनात्मक विकास की आवश्यकता को भी उजागर किया। पर्यटन निदेशालय ने ज़िला परिषद, लिटिल अण्डमान के प्रमुख और सदस्यों का सक्रिय भागीदारी और गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए आभार व्यक्त किया। सूचना, प्रचार एवं पर्यटन निदेशालय से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस उत्साह को आगे बढ़ाते हुए, पर्यटन निदेशालय पहली भव्य सर्फिंग महोत्सव का आयोजन बटलर बे तट, लिटिल अण्डमान में 9 से 12 अप्रैल, 2026 तक करेगा, जिसका आयोजन सर्फिंग महासंघ के सहयोग से किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य द्वीप को प्रमुख सर्फिंग स्थल के रूप में स्थापित करना और पूरे देश से साहसिक प्रेमियों को आकर्षित करना है। सभी को इस साहसिक, सांस्कृतिक और द्वीपीय उत्सव को देखने और इसमें भाग लेने के लिए सादर आमंत्रित किया जाता है।

"सेट सेल, अण्डमान!" अनिडको ने युवा पृष्ठ 1 का शेष

सटीक प्रारंभ तिथि अलग से सूचित की जाएगी।

इच्छुक बच्चे दिए गए क्यूआर कोड के माध्यम से उपलब्ध गूगल फॉर्म के जरिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं या अपने–अपने विद्यालय के प्रधानाचार्यों के माध्यम से निदेशक (शिक्षा) को आवेदन भेज सकते हैं। किसी भी जानकारी या प्रश्न के लिए श्री एग्नेल सेबास्टियन (फोन 03192–232098) से संपर्क किया जा सकता है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 अप्रैल, 2026 है। चयन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा। यह कार्यक्रम पूरी तरह निःशुल्क होगा। इसका मुख्य उद्देश्य द्वीपों में युवा नौकायन प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है।

प्रारंभिक प्रशिक्षण में प्रदर्शन के आधार पर 10 से 15 प्रतिभाशाली प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा, जिन्हें लगभग दो वर्षों के उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चुना जाएगा, ताकि वे राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

इसके अतिरिक्त, अनिडको 12वीं पास और सेलिंग, कयाकिंग तथा तैराकी जैसे जल खेलों का बुनियादी ज्ञान रखने वाले 10 उम्मीदवारों का चयन सेलिंग प्रशिक्षक के रूप में प्रशिक्षण देने के लिए करेगा। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम यॉटिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाईएआई) के प्रमाणित प्रशिक्षकों द्वारा तीन महीने की अवधि में संचालित किया जाएगा। सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद 2 उम्मीदवारों को श्री विजय पुरम सेलिंग क्लब में सहायक सेलिंग प्रशिक्षक/बोटमैन के रूप में नियुक्त किया जाएगा।

यह प्रस्तावित सेलिंग कार्यक्रम श्री विजय पुरम के अबर्डीन बाज़ार स्थित जल क्रीड़ा परिसर में आयोजित किया जाएगा। अनिडको द्वीपों में सेलिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सामान्य बुनियादी ढांचे के विकास की भी योजना बना रहा है, जिसमें छोटी नौकाओं और यॉट्स के लिए निर्धारित ठहराव स्थल, उपकरण भंडारण क्षेत्र, नाव संचालन और लॉन्चिंग सुविधाएं तथा अन्य आवश्यक सेवाएं शामिल होंगी। इससे निजी व्यक्तियों की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा और नियमित मनोरंजक नौकायन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके साथ ही, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन गैर–यांत्रिक नौकाओं के पंजीकरण के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है, जिससे क्षेत्र में नौकायन गतिविधियों को सुव्यवस्थित और विनियमित किया जा सकेगा।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार अपने स्वच्छ समुद्री जल, अनुकूल पवन परिस्थितियों और सुंदर द्वीपीय परिदृश्यों के कारण अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में लेज़र सेलिंग, यॉट पर्यटन और सेलिंग प्रतियोगिताओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। सेलिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने से न केवल पर्यटन क्षेत्र में विविधता आएगी, बल्कि उच्च मूल्य वाले एडवेंचर और समुद्री पर्यटन को भी आकर्षित किया जा सकेगा। इससे ये द्वीप हिंद महासागर क्षेत्र में एक विशिष्ट और प्रमुख सेलिंग गंतव्य के रूप में उभर सकते हैं, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता भी सुनिश्चित की जा सकेगी।

ऑफशोर एक्वाकल्चर का विस्तारः अण्डमान पृष्ठ 1 का शेष

जल प्रवाह और तेज धाराएं होती हैं। इनमें तैरते हुए पिंजरे या डूबने योग्य संरचनाएं होती हैं जो समुद्री परिस्थितियों, धाराओं और तूफानों का सामना कर सकती हैं। यह विधि रोग और अपशिष्ट संचय के जोखिम को कम करती है और तटीय फार्मों की तुलना में बेहतर जल गुणवत्ता सुनिश्चित करती है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नॉर्वे, जापान और चिली जैसे देशों ने उच्च मूल्य वाली समुद्री मछलियों के लिए सफलतापूर्वक ओपन–सी एक्वाकल्चर लागू किया है। उदाहरण के लिए, नॉर्वे का सैल्मन एक्वाकल्चर क्षेत्र डिजिटल मॉनिटरिंग और सख़्त नियामक ढांचे की सफलता को दर्शाता है। जापान के मॉडल सहकारी दृष्टिकोण और आपदा–प्रतिरोधी केज डिज़ाइन की सफलता दिखाते हैं। ऑस्ट्रेलिया राज्य–स्तरीय समुद्री योजना को राष्ट्रीय लाइसेंसिंग के साथ जोड़ता है, जबकि अमेरिका का सिंगल–विंडो अनुमोदन प्रणाली पर ज़ोर समन्वित नियामक ढांचे के महत्व को रेखांकित करता है। भारत का इस क्षेत्र में प्रवेश तकनीक–आधारित विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ऑफशोर एक्वाकल्चर की ओरः अण्डमान पहल

यह ओपन–सी फिश फार्मिंग प्रोजेक्ट राष्ट्रीय समुद्र प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) और केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन द्वारा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के तहत नॉर्थ बे (अण्डमान द्वीप) में शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य कोबिया और सीबास जैसी उच्च मूल्य वाली मछलियों का उत्पादन करना है, जिसके लिए स्वदेशी रूप से विकसित ओपन–सी केज सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

इसके अलावा, यह पहल गहरे पानी में समुद्री शैवाल की खेती को भी बढ़ावा देती है, जिससे एकीकृत बहु–पोषणीय एक्वाकल्चर (आईएमटीए) मॉडल विकसित किए जा सकें। इस मॉडल में मछलियों के साथ समुद्री शैवाल जैसी प्रजातियों की सह–खेती की जाती है, जिससे पोषक तत्वों का पुनर्चक्रण होता है और पर्यावरणीय प्रभाव कम होता है।

ये ऑफशोर केज सिस्टम भारतीय महासागर की परिस्थितियों के अनुरूप बनाए गए हैं, जो भारत के लिए तकनीकी और संस्थागत सीख का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं। यह परियोजना उत्पादन के साथ–साथ एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन मॉडल भी है और स्थानीय समुदायों को संचालन, रखरखाव और कटाई में शामिल कर आजीविका को सशक्त बनाती है।

सतत समुद्री अर्थव्यवस्था में महत्व

ऑफशोर एक्वाकल्चर भारत के लिए समुद्री खाद्य उत्पादन को विविध बनाने, पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने और उच्च गुणवत्ता वाली मछलियों के आयात को कम करने का एक सतत मार्ग प्रदान करता है। अण्डमान जैसे द्वीपीय क्षेत्रों में मत्स्य पालन आजीविका का प्रमुख स्रोत है, और ओपन–सी फिश फार्मिंग से कोल्ड चेन, मूल्य संवर्धन, निर्यात, कौशल विकास और क्षमता विकास जैसे क्षेत्रों में विकास के अवसर पैदा होते हैं।

नीतिगत दृष्टि से, यह पहल जलवायु लक्ष्यों को भी समर्थन देती है। भूमि–आधारित पशुपालन की तुलना में समुद्री एक्वाकल्चर का कार्बन फुटप्रिंट कम होता है। समुद्री शैवाल की खेती पोषक तत्वों के अवशोषण और कार्बन पृथक्करण में भी सहायक होती है।

पारिस्थितिक और नियामक पहलू

हालांकि ओपन–सी फिश फार्मिंग संभावनाओं से भरपूर है, लेकिन इसमें पोषक तत्वों का अत्यधिक संचय, जंगली प्रजातियों पर प्रभाव और समुद्री चारे पर निर्भरता जैसी चुनौतियां भी हैं। इसलिए मजबूत निगरानी और शासन प्रणाली आवश्यक है।

वर्तमान में भारत में ऑफशोर एक्वाकल्चर के लिए समन्वित नीति ढांचा नहीं है, क्योंकि यह विभिन्न विभागों में विभाजित है। अण्डमान परियोजना भविष्य की नीतियों के लिए डेटा और अनुभव प्रदान कर सकती है। साथ ही यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि छोटे मछुआरों के हित प्रभावित न हों और पारंपरिक मत्स्य क्षेत्रों तक उनकी पहुंच बनी रहे।

विस्तार की संभावनाएं और सीमाएं

यदि अण्डमान मॉडल सफल होता है, तो इसे भारत के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर भी लागू किया जा सकता है, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां समुद्र की गहराई और मौसम अनुकूल हैं।

हालांकि, 2020 के एक अध्ययन के अनुसार, ऑफशोर एक्वाकल्चर में उच्च लागत और संचालन संबंधी चुनौतियां हैं। इसके बावजूद, पनामा के ओपन ब्लू प्रोजेक्ट जैसे उदाहरण दिखाते हैं कि इसे बड़े पैमाने पर सफलतापूर्वक लागू किया जा सकता है। यूरोपीय संघ के समुद्री मछली प्रोजेक्ट ने भी यह साबित किया है कि सार्वजनिक निवेश, अनुसंधान और संस्थागत सहयोग इस क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

निष्कर्ष

अण्डमान का ओपन–सी मछली पालन प्रोजेक्ट एक ऐसे भविष्य की ओर संकेत करता है जहां ब्लू इकोनॉमी नवाचार और स्थिरता पर आधारित होगी। मजबूत नीतिगत ढांचे, सामुदायिक भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण के साथ यह मॉडल भारत की समुद्री अर्थव्यवस्था को बदल सकता है और दीर्घकाल में सतत, विज्ञान–आधारित समुद्री उत्पादन को बढ़ावा दे सकता है। (स्रोतः **https://www.orfonline.org/**)

लिटिल अण्डमान में सर्फिंग महोत्सव 9 से 12 अप्रैल तक

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के पर्यटन निदेशालय द्वारा लिटिल अण्डमान में 9 से 12 अप्रैल, 2026 तक सर्फिंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस महोत्सव का उद्देश्य द्वीपों को जल क्रीड़ा और साहसिक पर्यटन के प्रमुख स्थल के रूप में बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सर्फर्स के साथ–साथ पर्यटक, स्थानीय उत्साही और प्रशासनिक अधिकारियों की भागीदारी की संभावना है। इस संबंध में, जहाज़रानी सेवा निदेशालय ने लिटिल अण्डमान के लिए जहाज़ एमवी नालंदा की विशेष यात्रा व्यवस्था की है, ताकि सर्फिंग में भाग लेने वाले सर्फर्स, पर्यटक, आम जनता और सरकारी अधिकारी आसानी से यात्रा कर सकें। यात्राओं का संचालन निम्नलिखित कार्यक्रम के अनुसार किया जाएगाः

Scan QR Code to open on mobile.

जहाज़ का नाम	प्रस्थान तिथि और समय	
	श्री विजय पुरम से लिटिल अण्डमान तक	लिटिल अण्डमान से श्री विजय पुरम
नालंदा	6 अप्रैल, 2026 रात 10 बजे	7 अप्रैल, 2026 रात 10 बजे
	8 अप्रैल, 2026 रात 10 बजे	9 अप्रैल, 2026 रात 10 बजे
	10 अप्रैल, 2026 रात 10 बजे	11 अप्रैल, 2026 रात 10 बजे
	12 अप्रैल, 2026 सुबह 10 बजे	12 अप्रैल, 2026 रात 10 बजे

उक्त यात्रा के लिए यात्री टिकट 2 अप्रैल, 2026 (गुरुवार) से जारी किए जाएंगे। आम जनता और कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी यात्रा की पूर्वव्यवस्था समय रहते कर लें। टिकट ऑनलाइन डीएसएस ई–टिकटिंग पोर्टल **https://dss.andamannicobar.gov.in/eticketing** के माध्यम से 24x7, सभी दिनों में बुक किए जा सकते हैं। उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए पोर्टल से सीधे जुड़ने वाला क्यू आर कोड भी प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त, टिकट स्टार्स टिकटिंग काउंटर से भी खरीदे जा सकते हैं, जो सोमवार से शुक्रवार सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक और शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक खुला रहेगा।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की बड़ी सफलताः मादक पदार्थ मामले में दोषसिद्धि

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए, अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के एंटी–नारकोटिक्स पुलिस थाना ने पूर्व में दर्ज़ एक एनडीपीएस मामले में दोषसिद्धि सुनिश्चित की है।

यह मामला प्राथमिकी संख्या 13/2025 दिनांक 24.10.2025 से संबंधित है, जो एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 20(b)(ii)(A) के अंतर्गत दज़ किया गया था। विश्वसनीय सूचना के आधार पर एंटी–नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन की टीम ने कार्रवाई करते हुए उदय मंडल (25 वर्ष), पुत्र श्री स्वपन मंडल, मूल निवासी दक्षिण 24 परगना, पश्चिम बंगाल, वर्तमान में स्कूल लाइन, रांची बस्ती, श्री विजय पुरम निवासी, को वीर सावरकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, लम्बा लाइन, श्री विजय पुरम के निकास द्वार के पास रोका। तलाशी के दौरान उसके सामान से एक बैग में छिपाकर रखी गई 915 ग्राम अवैध गांजा बरामद कर ज़ब्त की गई। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। मामले की जांच एंटी–नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन के सहायक उप–निरीक्षक सूर्य नारायण द्वारा की गई। उनकी सतर्क जांच और समय पर आरोप पत्र प्रस्तुत करने से मामले के सफल अभियोजन में सहायता मिली। आरोपी को 16 मार्च, 2026 को श्री विजय पुरम के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की माननीय अदालत द्वारा दोषी ठहराया गया और मामले का निपटारा विधि अनुसार किया गया।

मादक पदार्थों और मनोदैहिक पदार्थों का सेवन एवं तस्करी कानूनन पूर्णतः प्रतिबंधित है और इसके लिए 20 वर्ष तक का कारावास तथा 2,00,000 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस आम जनता से अपील करती है कि वे सतर्क रहें और नशीले पदार्थों की तस्करी या दुरुपयोग से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। आइए, हम सभी मिलकर एक सुरक्षित और नशामुक्त समाज का निर्माण करें। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार ऐसी गतिविधियों की सूचना 112, 234216, 9434280055 और 9531856080 नंबरों पर दें।

जनगणना 2027 हेतु गणनाकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण

डिगलीपुर, 31 मार्च

जनगणना 2027 के लिए गणनाकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों के प्रथम बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण आज उत्तर अण्डमान के डिगलीपुर के प्रशासनिक भवन के सम्मेलन कक्ष में प्रभारी जनगणना अधिकारी द्वारा उद्घाटित किया गया। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर नियुक्त क्षेत्रीय प्रशिक्षकों द्वारा 48 गणनाकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शेष गणनाकर्ताओं एवं पर्यवेक्षकों के दूसरे बैच का प्रशिक्षण 6 से 8 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा।

चाथम सरकारी आरा मिल में लकड़ी की बिक्री बंद रहेगी

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

प्राप्त विज्ञप्ति में सभी संबंधित पक्षों को सूचित किया गया है कि चाथम स्थित सरकारी आरा मिल में चीरी हुई लकड़ी की बिक्री 1 अप्रैल, 2026 से 15 अप्रैल, 2026 तक बंद रहेगी। यह बंदी चीरी हुई लकड़ी की वार्षिक भौतिक जाँच और वार्षिक रखरखाव के कारण लागू की गई है।

करारे चैम्पियनशिप के विजेताओं को पदक प्रदान

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

दक्षिण अण्डमान ज़िला ओपन कराटे चैम्पियनशिप का आयोजन 28 एवं 29 मार्च, 2026 को प्रोथरापुर पूजा पंडाल, श्री विजय पुरम में किया गया। प्रतियोगिता में विजेताओं को पदक प्रदान किए गए। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस चैम्पियनशिप में कराटे एवं जूडो प्रशिक्षण केंद्र, श्री विजय पुरम, आइलैंड ब्लड गेम मार्शल आर्ट, प्रोथरापुर तथा लीजेंड्स मार्शल आर्ट, अबर्डीन बाज़ार के लगभग 60 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

'डीब्राइट' में पुनर्मूल्यांकन एवं पुनर्गणना हेतु आवेदन

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

पांडिचेरी विश्वविद्यालय द्वारा सूचित किया गया है कि पुनर्मूल्यांकन तथा पुनर्गणना की प्रक्रिया ऑनलाइन उपलब्ध कर दी गई है। विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार, केवल वे छात्र जिनके अधिकतम दो विषयों में अनुत्तीर्णता है, पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।

जो छात्र पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे संबंधित विषयों का विवरण सहित प्रति विषय 500 रुपये का मांग पत्र (डिमांड ड्राफ्ट) संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत करें। वहीं, पुनर्गणना के लिए इच्छुक छात्र निर्धारित प्रपत्र में भरा हुआ आवेदन तथा प्रति प्रश्नपत्र 250 रुपये का मांग पत्र (यह शुल्क उत्तीर्ण एवं अनुत्तीर्ण दोनों प्रकार के प्रश्नपत्रों पर लागू है) जमा कर सकते हैं।

'डीब्राइट' से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार सभी मांग पत्र "वित्त अधिकारी, पांडिचेरी विश्वविद्यालय" के पक्ष में, पांडिचेरी में देय होने चाहिए। आवेदन पत्र शैक्षणिक प्रकोष्ठ में 2 अप्रैल, 2026 (पूर्वाह्न) तक अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। निर्धारित अंतिम तिथि के बाद किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

जेएनआरएम के पूर्व छात्रों को परीक्षा फॉर्म भरने की सूचना

श्री विजय पुरम, 31 मार्च

प्राप्त विज्ञप्ति में यहां के जवाहरलाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय (जेएनआरएम) के पूर्व छात्रों, जो अप्रैल/मई, 2026 में आयोजित होने वाली आगामी परीक्षाओं में सम्मिलित होना चाहते हैं, उन्हें सूचित किया गया है कि वे 1 अप्रैल, 2026 से जेएनआरएम के प्रवेश स्कंध से परीक्षा फॉर्म प्राप्त करें और उसे 10 अप्रैल, 2026 तक या उससे पहले जमा कर दें।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

भारतीय रिज़र्व बैंक ने भुगतान परिकल्पना 2028 जारी की

नई दिल्ली, 31 मार्च। भारतीय रिज़र्व बैंक ने आज भुगतान परिकल्पना 2028 जारी की। इसमें भारत की तेज़ी से बढ़ती डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मज़बूत और विस्तारित करने की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है।

भारत के भुगतान क्षेत्र को आकार देना विषय पर आधारित यह दस्तावेज़ उपयोगकर्ता सशक्तिकरण, धोखाधड़ी से सुरक्षा, सीमा पार भुगतान प्रणालियों की दक्षता में सुधार और व्यापार करने में सुगमता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। विभिन्न पहलों के माध्यम से, यह दस्तावेज़ दिसंबर 2028 तक की कार्ययोजना का खाका प्रस्तुत करता है।

केंद्रीय बैंक, भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 के तहत दक्षता बढ़ाने और प्राधिकरण को सुव्यवस्थित करने के लिए सीमा पार भुगतान प्रणाली की समीक्षा करेगा। अनधि.त डिजिटल लेनदेन से निपटने के लिए जारीकर्ता और लाभार्थी बैंकों के बीच एक साझा उत्तरदायित्व ढांचे पर भी विचार किया जाएगा।

एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा, पारस्परिक ऋण गारंटी योजना में बड़े बदलाव

नई दिल्ली, 31 मार्च। सरकार ने बजट 2025–26 के अनुरूप सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के विनिर्माताओं और निर्यातकों को बढ़ावा देने के लिए पारस्परिक ऋण गारंटी योजना में बड़े बदलाव किए हैं।

पारस्परिक ऋण गारंटी योजना के तहत पात्र सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों मशीनरी/उपकरण खरीदने हेतु 100 करोड़ तक के सावधि ऋण पर 60 प्रतिशत गारंटी कवरेज प्रदान किया जाता है। नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी लिमिटेड द्वारा समर्थित यह योजना, गारंटी देकर बैंकों से आसान ऋण दिलाने में मदद करती है।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि संशोधनों से योजना का विस्तार होगा, अनुपालन बोझ कम होगा और निर्यातक एमएसएमई को प्रोत्साहन मिलेगा। संशोधित योजना में चौथे वर्ष बाद किस्तों में पांच प्रतिशत अग्रिम अंशदान वापसी की जा सकती है। संतोषजनक ऋण प्रदर्शन पर चौथे वर्ष से हर साल इसका एक प्रतिशत वापस किया जा सकेगा। पात्रता मानदंड को विस्तारित कर सेवा क्षेत्र के एमएसएमई को भी इसमें शामिल किया गया है।

प्रेस विज्ञप्ति

F.No. E-84036/M/123/2024/554 दिनांक 31.03.2026

आम जनता को सूचित किया जाता है कि सरकारी आरा मिल, चाथम में लकड़ी की बिक्री, वार्षिक भौतिक सत्यापन एवं वार्षिक रख–रखाव कार्य के कारण दिनांक 01/04/2026 से 15/04/2026 तक बंद रहेगी। इस अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की बिक्री/लेन–देन नहीं किया जाएगा।

उप वन संरक्षक, मिल प्रभाग, चाथम

परिपत्र

सं. एएलएचडब्ल्यू/ईएनवी/आरएफपी/2/2024/ई–570/दिनांक 30.03.2026

सर्व संबंधितों को यह सूचित किया जाता है कि 'मेसर्स अण्डमान लक्षद्वीप बन्दरगाह संकर्म द्वारा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के लॉन्ग आइलैंड में यात्रियों के लिए सुविधाओं का प्रावधान और कार्यालय–सह–आवागमन आवास का नवीनीकरण।' परियोजना को पत्र संख्या एफ.सं. 11/18/2026-IA.III, दिनांक 30.03.2026 के तहत CRZ/IPZ मंजूरी प्रदान कर दी गई है। मंजूरी पत्रों की प्रतियाँ राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (SPCB) के पास उपलब्ध हैं और इन्हें पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF-CC) की वेबसाइट https://parivesh.nic.in पर भी देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता (एएलएचडब्ल्यू),
कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से उनके लिए
अण्डमान लक्षद्वीप बन्दरगाह संकर्म, श्री विजय पुरम

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

No :M/55/2025-O/o SM(IMFL)-ANIIDCO_AN (E-136229)/9528 दिनाक 30.03.2026

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समन्वित विकास निगम लिमिटेड (अनिडको), श्री विजय पुरम कार्य आदेश की तारीख से शुरू होने वाली दो साल की अवधि के लिए चेन्नई से श्री विजय पुरम तक आईएमएफएल/बीयर/आरटीडी/वाइन उत्पादों के संचालन/परिवहन के लिए ठेकेदार की नियुक्ति के लिए ऑनलाइन ई–निविदाएं आमंत्रित करता है।

नियमों एवं शर्तों सहित विस्तृत निविदा दस्तावेज वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है या वरिष्ठ प्रबंधक (आईएमएफएल), अनिडको लिमिटेड, विकास भवन, श्री विजय पुरम –744101 से कार्यालय के कार्य समय के दौरान सभी कार्य दिवसों में 20/04/2026 तक प्राप्त किया जा सकता है।

ऑनलाइन ई–निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि 21/04/2026 को दोपहर 2.00 बजे तक है, जिसे उसी दिन शाम 4.30 बजे खोला जाएगा।

महाप्रबंधक (आईएमएफएल),
अनिडको लिमिटेड

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समन्वित विकास निगम लिमिटेड (अनिडको), श्री विजय पुरम

रिक्ति सूचना

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह समन्वित विकास निगम लिमिटेड (अनिडको) में नियमित आधार पर ''बैकलॉग आरक्षित पदों'' पर नियुक्ति के लिए पात्र दिव्यांग व्यक्तियों (वे व्यक्ति जो संबंधित दिव्यांगता से कम से कम 40 प्रतिशत तक प्रभावित है, केवल वे ही आरक्षण के लाभ के पात्र होंगे) से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं, जिसका विविरण नीचे दिया गया हैं :

पद का नाम	पदों की संख्या	स्तर एवं वेतन मैट्रिक्स	आयु सीमा	शैक्षिक योग्यता एवं अनुभव
सहायक प्रबंधक (दूध संयंत्र)	01–(एक) 'बैकलॉग रिक्ति' दिव्यांग व्यक्तियों (HH श्रेणी) के लिए आरक्षित है	ग्रुप–बी लेवल–6 (रु. 35400 – रु. 112400)	**पुरुष के लिए:** अधिकतम 35 वर्ष **महिला:** अधिकतम 38 वर्ष	निम्नलिखित में से कोई भी योग्यताएं साथ में 03 वर्ष का अनुभाव। i. B.Sc रसायन विज्ञान; ii. B.Sc डेयरी प्रौद्योगिक या डेयरी इंजीनियरिंग या (ख) निम्नलिखित योग्यताओं में से कोई भी i. M.Sc रसायन विज्ञान; ii. डेयरी प्रौद्योगिक या डेयरी इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर।
प्लॉट संचालक (दूध संयंत्र)	01–(एक) ''बैकलॉग रिक्ति'' दिव्यांग व्यक्तियों (HH श्रेणी) के लिए आरक्षित है	ग्रुप–सी लेवल–4 (रु. 25500 – रु. 81100)	**पुरुष के लिए:** 18–33 वर्ष **महिला:** 18–38 वर्ष	किसी भी मान्यताप्राप्त आईटीआई से इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में ट्रेड सर्टिफिकेट के साथ 10वीं उत्तीर्ण और प्लांट एवं मशीनरी के संचालन में 2 वर्ष का अनुभाव होना चाहिए।

रिक्ति सूचना और प्रारूप वेबसाइट https://www.andamannicobar.gov.in या https://aniidco.and.nic.in के रिक्ति लिंक से डाउनलोड किया जा सकता है। आवेदन भरने की अंतिम तिथि **15/05/2026** (सायं 5.00 बजे) तक भेज दे।

महाप्रबंधक (कार्मिक), अनिडको

स्वदेशी युद्धपोत निर्माण में बड़ी उपलब्धि, भारतीय नौसेना को तीन उन्नत पोतों की डिलीवरी

कोलकाता, 31 मार्च। भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को बड़ी मजबूती देते हुए भारतीय नौसेना को सोमवार को कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड में तीन उन्नत स्वदेशी पोतों की डिलीवरी दी गई। जीआरएसई ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पहला पोत 'दुनागिरी' (यार्ड 3023) नीलगिरी श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) का पांचवां और जीआरएसई में निर्मित दूसरा जहाज है। यह अत्याधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट नौसेना की युद्ध क्षमता, मारक क्षमता और तकनीकी दक्षता को नई ऊंचाई देता है। इसे आधुनिक हथियारों और सेंसर प्रणाली से लैस किया गया है, जिसमें ब्रह्मोस मिसाइल, एमएफस्टार और एमआरएसएएम जैसी प्रणालियां शामिल हैं।

दूसरा पोत 'संशोधक' सर्वेक्षण पोत (लार्ज) श्रेणी का चौथा और अंतिम जहाज है। यह पोत तटीय और गहरे समुद्र में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण, नेविगेशन मार्ग निर्धारण और समुद्री डेटा संग्रह के लिए उपयोगी है। लगभग 3400 टन क्षमता वाले इस पोत में अत्याधुनिक सर्वे उपकरण लगाए गए हैं और यह 18 नॉट से अधिक की गति हासिल कर सकता है।

तीसरा पोत 'अग्रय' एंटी–सबमरीन वारफेयर शैलो वॉटर क्राट श्रेणी का चौथा जहाज है। यह लगभग 77 मीटर लंबा पोत है और इसमें हल्के टॉरपीडो, स्वदेशी रॉकेट लॉन्चर और आधुनिक सोनार प्रणाली लगी है, जिससे यह समुद्र में पनडुब्बी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकता है। इन तीनों पोतों का निर्माण स्वदेशी तकनीक से किया गया है, जिनमें 75 से 80 प्रतिशत तक देशी सामग्री का उपयोग हुआ है। इस परियोजना से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार भी मिला है। इन पोतों की डिलीवरी को 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत भारत की समुद्री शक्ति और रक्षा उत्पादन क्षमता में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

बैंकिंग कंपनियां सालाना 50 हजार रुपये से अधिक ब्याज आय पर काटेंगी टीडीएस

नई दिल्ली, 31 मार्च। आयकर विभाग ने सोमवार को कहा कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के प्रावधानों के तहत आने वाली सभी बैंकिंग कंपनियां तय सीमा से अधिक ब्याज आय पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) की कटौती करेंगी। आयकर विभाग ने बैंकिंग संस्थानों के मामले में धारा 194ए के तहत ब्याज पर टीडीएस के संबंध में स्पष्टीकरण देते हुए बताया कि आयकर कानून के अनुसार यदि बैंक या डाकघर जमा से प्राप्त ब्याज आय एक वित्त वर्ष में सामान्य नागरिकों के लिए 50 हजार रुपये और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक लाख रुपये से अधिक हो जाती है, तो उस पर टीडीएस काटा जाता है।

आयकर विभाग ने बताया कि नए आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 402 के तहत 'बैंकिंग कंपनी' से तात्पर्य उन कंपनियों से है, जिन पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 लागू होता है। आयकर अधिनियम, 1961 के तहत 'बैंकिंग कंपनी' की परिभाषा में केवल वे कंपनियां ही नहीं, बल्कि उस अधिनियम की धारा 51 में उल्लिखित 'कोई भी बैंक या बैंकिंग संस्था' भी शामिल हैं। विभाग ने स्पष्ट किया कि बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की वर्तमान धारा 51 के तहत आने वाले ऐसे बैंक एवं बैंकिंग संस्थान, आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 402 के तहत 'बैंकिंग कंपनी' की परिभाषा में शामिल माने जाएंगे, भले ही उनका स्पष्ट उल्लेख न हो।

आयकर विभाग ने कहा कि इस प्रकार ऐसे बैंक या बैंकिंग संस्थान धारा 393(1) में निर्धारित सीमा से कम राशि पर आयकर काटने के लिए बाध्य नहीं होंगे।

गुणकारी है गुलाब की तरह दिखने वाला गंधराज, जान लें इसके फायदे

नई दिल्ली, 31 मार्च। आमतौर पर घर को सजाने के लिए ऐसे पौधों को लगाया जाता है जिनकी देखभाल करना आसान हो और फूल भी बहुत ज्यादा लगें।घरों में खुशबू के लिए सफेद चमेली या मोगरा के पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन इन दिनों गंधराज के पौधे की डिमांड बहुत बढ़ गई है और इसके पीछे का मुख्य कारण है फूल की खुशबू और औषधीय गुण। गंधराज वातावरण को महकाने के साथ गुणों से भरपूर है, जो छोटी–छोटी परेशानियों से चुटकियों में राहत देता है।

गंधराज दिखने में गुलाब के फूल की तरह होता है और बहुत छोटा और घना पौधा होता है, जिसे आसानी से घर में लगाया जा रहा है। गंधराज को आयुर्वेद में तीनों दोषों को संतुलित करने वाला माना जाता है। कहा जाता है कि गंधराज के फूल वात, कफ और पित्त को संतुलित करने में मदद करते हैं और शरीर को निरोगी बनाए रखने में मदद करते हैं। आज हम इस गुलाब की तरह दिखने वाले फूल के फायदे बताने वाले हैं।

गंधराज एंटी–बैक्टीरियल और एंटी–इंलेमेटरी गुणों से भरपूर होता है और यही कारण है कि त्वचा संबंधी परेशानियों से निजात पाने के लिए उनके फूल का इस्तेमाल काफी समय से होता आ रहा है।

अगर चेहरे और शरीर पर घाव या मुहांसे हो गए हैं तो इसके फूलों के अर्क का सेवन करने से त्वचा के संक्रमण, कील–मुंहासे और घाव ठीक हो जाते हैं। गंधराज माइग्रेन के दर्द को कम करने में भी मदद करता है और मानसिक तनाव को भी कम करता है। गंधराज का तेल आसानी से बाजार में मिल जाता है, जो तेज सिर दर्द में राहत और मानसिक और शारीरिक तनाव को कम करने का काम करता है। गंधराज मन के लिए एक थेरेपी की तरह काम करता है और हार्मोन को संतुलित कर अच्छी नींद में सहायक है।

गंधराज के फूल में पाचन से संबंधी रोगों को ठीक करने की क्षमता भी होती है। इसके फूल और पत्तियों का इस्तेमाल सदियों से कब्ज, पेट संबंधी विकार और आंतों को संक्रमित होने से बचाने में किया जाता है। हालांकि सेवन से पहले एक बार चिकित्सक की सलाह जरूर लें। इसके साथ ही ये भी ध्यान रखना जरूरी है कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों को इसके सेवन से परहेज करना चाहिए और चिकित्सक की सलाह के बाद ही सेवन करना चाहिए।

बिना ड्राइवर के चलने वाला ट्रैक्टर लॉन्च, टाइम–पैटर्न सेट करने के बाद अपने आप करता है सारे खेती के काम

नई दिल्ली, 31 मार्च। अब खेत में ट्रैक्टर से जुताई करने या मढ़ाई करने के लिए चालक की जरूरत नहीं पड़ेगी. क्योंकि, केंद्रीय कृषि यंत्रीकरण एवं परीक्षण प्रशिक्षण संस्थान कृषि वैज्ञानिकों ने बिना ड्राइवर के चलने वाली तकनीक विकसित की है. कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि बिना ड्राइवर के चलने वाले ट्रैक्टर को लॉन्च कर दिया गया है. इसमें प्रोग्राम सेट करने के बाद ट्रैक्टर अपने आप खेत की जुताई से लेकर मढ़ाई तक का काम करता है.

मध्य प्रदेश के बुधनी स्थित केंद्रीय कृषि यंत्रीकरण एवं परीक्षण प्रशिक्षण संस्थान ने राष्ट्रीय कृषि उदय एक्सपो–2026 में ऐसी तकनीक का प्रदर्शन किया जिसकी मदद से ट्रैक्टर बिना ड्राइवर के ऑपरेट होता है. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ट्रैक्टर को काम करते और खेत में चलते हुए देखा. कृषि वैज्ञानिकों ने कृषि मंत्री को बताया कि यह ट्रैक्टर बिना ड्राइवर के काम करने में सक्षम है.

केंद्रीय कृषि मंत्री ने वैज्ञानिकों से पूछा तो बताया गया है कि सैटेलाइड बेस्ड टेक्नोलॉजी के जरिए मोबाइल और लैपटॉप की मदद से प्रोग्राम सेट करने के बाद ट्रैक्टर को बिना ड्राइवर के चलाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर ऑपरेट करने के लिए प्रोग्राम सेट करना होता है और कमांड देकर कृषि कार्य के लिए ट्रैक्टर को छोड़ा जा सकता है. टेक्नोलॉजी की मदद से कमांड देने के बाद ट्रैक्टर की स्टेरिंग और स्पीड तय सेटिंग के अनुसार काम करेगी.

वैज्ञानिकों ने कहा कि सेटिंग के बाद ट्रैक्टर जुताई के

दौरान तय मोड़ पर अपने आप मुड़ जाएगा और उपज की मढ़ाई करते समय अपने आप शुरू होकर काम खत्म करने के बाद बंद भी हो जाएगा. यहां तक कि रात में भी ट्रैक्टर कृषि कार्य कर सकता है. जुताई–बुवाई के बाद ट्रैक्टर अपने आप रुक जाएगा. कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि इस तरह की ऑटोमेटिक ऑपरेटिंग टेक्नोलॉजी से लैस यह ट्रैक्टर पहली बार भारत में लॉन्च हुआ है.

कृषि वैज्ञानिकों के इस काम को देखकर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खेती अब बदल रही है, तकनीक के साथ आगे बढ़ रही है. ऑटो–स्टीयरिंग से लैस यह आधुनिक ट्रैक्टर न केवल किसान की मेहनत कम करता है, बल्कि उसका कीमती समय भी बचाता है. उन्होंने आधुनिक तकनीक से लैस मशीनें खेती कार्यों को आसान बना रही हैं और क्रांति लाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं.

इतिहास के पन्नों में 01 अप्रैल : आरबीआई की स्थापना से लेकर एप्पल की शुरुआत का खास दिन

नई दिल्ली, 31 मार्च। इतिहास में 01 अप्रैल की तारीख कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए जानी जाती है। इस दिन भारत में केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की स्थापना हुई, वहीं तकनीकी दुनिया में क्रांति लाने वाली एप्पल की भी शुरुआत इसी दिन हुई थी। भारत में 01 अप्रैल 1935 को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना की गई थी, जो देश की केंद्रीय बैंकिंग प्रणाली के रूप में कार्य करता है। बाद में 01 जनवरी 1949 को इसका राष्ट्रीयकरण किया गया। आरबीआई देश की मौद्रिक नीतियों का संचालन करता है और वित्तीय प्रणाली को स्थिर बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। इसके प्रमुख क्षेत्रीय कार्यालय नई दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में स्थित हैं।

वहीं, 01 अप्रैल 1976 को अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्टीव जॉब्स, स्टीव वोजनियाक और रोनाल्ड वेन ने मिलकर एप्पल कंपनी की स्थापना की। शुरुआती दौर में कंपनी का नाम एप्पल कम्प्यूटर रखा गया था, जिसे बाद में 09 जनवरी 2007 को बदलकर एप्पल आईएनसी कर दिया गया।

इसी वर्ष स्टीव जॉब्स ने दुनिया के सामने पहला आईफोन पेश किया, जिसने मोबाइल तकनीक के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया। आज एप्पल राजस्व के लिहाज से दुनिया की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक है और स्मार्टफोन निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी कंपनियों में गिनी जाती है। इस तरह 01 अप्रैल का दिन आर्थिक और तकनीकी दोनों ही क्षेत्रों में ऐतिहासिक महत्व रखता है, जिसने दुनिया को नई दिशा देने वाले बदलावों का मार्ग प्रशस्त किया।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1582 – फ्रांस में इस दिन को मूर्ख दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत हुई।
1793 – जापान में उनसेन ज्वालामुखी फटा, जिसकी वजह से करीब 53,000 लोगों की मौत हो गई।
1839 – कोलकाता मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बीस बिस्तरों के साथ शुरू किया गया।
1889 – हिंदू का दैनिक अखबार के तौर पर प्रकाशन शुरू। 20 सितंबर 1888 से प्रकाशित इस अखबार को अब तक साप्ताहिक रूप से प्रकाशित किया जा रहा था।
1912 – भारत की राजधानी को औपचारिक रूप से कलकत्ता से दिल्ली स्थानांतरित किया गया।
1930 – विवाह के लिए लड़कियों की न्यूनतम आयु 14 वर्ष और लड़कों की 18 वर्ष निर्धारित की गई।
1935 – भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना।
1936 – भारत के उड़ीसा राज्य की स्थापना हुई, जो कि पहले कलिंग या उत्कल के नाम से जाना जाता था।
1969 – तारापुर में देश के पहले परमाणु बिजली घर ने काम करना शुरू किया।
1973 – भारत के कार्बेट नेशनल पार्क में चीताओं को बचाने के लिए 'टाइगर बचाओं' अभियान चलाया गया।
1976 – टेलिविजन के लिए एक पृथक निगम की स्थापना की गई, जिसे दूरदर्शन नाम दिया गया।
1976 – स्टीव जॉब्स ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर ऐपल कंपनी की स्थापना की।
1979 – ईरान मुस्लिम गणराज्य घोषित।
1997 – मार्टिना हिंगिस टेनिस इतिहास में सबसे कम उम्र की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं।
2004 – गूगल ने जीमेल का ऐलान किया।

वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत कई महत्वपूर्ण बदलावों के साथः 1 अप्रैल, 2026 से लागू होने जा रहा नया टैक्स सिस्टम,

नई दिल्ली, 31 मार्च।

भारत में नए वित्त वर्ष 2027 की शुरुआत के साथ ही 1 अप्रैल, 2026 से देश के डायरेक्ट टैक्स सिस्टम में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नया आयकर अधिनियम, 2025 लागू होने जा रहा है, जो करीब 60 साल पुराने 1961 के कानून की जगह लेगा, और इसमें नियमों, शब्दावली और टैक्स व्यवस्था में कई बदलाव किए गए हैं। नए सिस्टम में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब 'फाइनेंशियल ईयर (एफवाई)' और 'असेसमेंट ईयर (एवाई)' की जगह एक ही 'टैक्स ईयर' होगा। इससे टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया आसान होने और लोगों को ज्यादा स्पष्टता मिलने की उम्मीद है।

इसके अलावा, इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की समय सीमा में भी बदलाव किया गया है। वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए 31 जुलाई की डेडलाइन वही रहेगी, लेकिन जो लोग ऑडिट के दायरे में नहीं आते (जैसे सेल्फ–एम्प्लॉयड और प्रोफेशनल्स), उन्हें अब 31 अगस्त तक का समय मिलेगा।

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित फैसले के तहत यूचर्स और ऑप्शंस में सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) बढ़ा दिया गया है, जिससे डेरिवेटिव ट्रेडिंग महंगी हो जाएगी। हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) क्लेम करने के नियम सख्त किए गए हैं। अब कुछ मामलों में मकान मालिक की जानकारी जैसे पैन देना जरूरी होगा। साथ ही, ज्यादा एचआरए छूट वाले शहरों की सूची में बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद को भी शामिल किया गया है।

सरकार ने कर्मचारियों को कुछ राहत भी दी है। मील (भोजन) से जुड़े टैक्स बेनिफिट बढ़ाए गए हैं और टैक्स–फ्री गिट की सालाना सीमा भी बढ़ाई गई है। पुराने टैक्स सिस्टम में बच्चों की पढ़ाई और हॉस्टल खर्च पर मिलने वाली छूट भी बढ़ाई गई है।

अब शेयर बायबैक पर टैक्स डिविडेंड की जगह कैपिटल गेन के रूप में लगेगा, जिससे निवेशकों पर असर पड़ेगा। वहीं, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर टैक्स छूट केवल उन्हीं बॉन्ड्स पर मिलेगी जो मूल इश्यू के दौरान खरीदे गए हों। नए नियमों के तहत अब डिविडेंड या म्यूचुअल फंड से होने वाली आय पर लिए गए कर्ज के ब्याज को टैक्स में छूट के रूप में क्लेम नहीं किया जा सकेगा।

अब टैक्सपेयर्स एक ही घोषणा पत्र जमा करके कई इनकम स्रोतों पर टीडीएस से बच सकते हैं। एनआरआई से प्रॉपर्टी खरीदने पर टीडीएस काटने के लिए अब टीएएन की जरूरत नहीं होगी, सिर्फ पैन से काम हो जाएगा। विदेश यात्रा पर टीसीएस घटाकर 2 प्रतिशत कर दिया गया है, जबकि शिक्षा और इलाज के लिए विदेश भेजे जाने वाले पैसे पर भी टीसीएस कम किया गया है।

अब टैक्सपेयर्स को रिटर्न में सुधार (रिवाइज) करने के लिए 31 मार्च तक का समय मिलेगा, हालांकि दिसंबर के बाद देरी से करने पर अतिरिक्त शुल्क देना होगा।

इसके अलावा, मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए मुआवजे पर प्राप्त ब्याज को पूरी तरह से कर–मुक्त कर दिया गया है।

वहीं, सरकार ने आकलन वर्ष 2–26–27 के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म (आईटीआर–1 से आईटीआर–7 तक) नोटिफाई कर दिए हैं, जिससे व्यक्तियों, पेंशनभोगियों और अन्य करदाताओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने रिटर्न दाखिल करना शुरू करने में मदद मिलेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि अपडेट किए गए फॉर्म में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आईटीआर–1 (सहज) फॉर्म में दो मकानों से होने वाली आय भी दिखाई जा सकती है, जबकि पहले यह सीमा एक मकान तक ही थी। इससे कई करदाताओं के लिए फाइलिंग प्रक्रिया आसान होने की उम्मीद है।

अंतर–विद्यालय फुटबॉल नॉकआउट टूर्नामेंट

श्री विजय पुरम, 31 मार्च।

आगामी 65वें संस्करण के सब्रोतो कप अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट के संदर्भ में, उप शिक्षा कार्यालय, दक्षिण अण्डमान द्वारा आयोजित अंडर–15 और अंडर–17 (बालक) तथा अंडर–17 (बालिका) वर्गों के लिए अंतर–विद्यालय फुटबॉल नॉकआउट टूर्नामेंट 2026 में दक्षिण अण्डमान की विभिन्न टीमों के बीच ज़ोरदार प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है।

आज खेले गए अंडर–15 बालक वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में सागरीतारा स्कूल ने गाराचरामा स्कूल को 2–0 गोल से हराया, जबकि जीडीएमएस (एस) ने रंगाचंग स्कूल को 1–0 गोल से पराजित किया। अंडर–17 बालक वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में स्कूल लाइन स्कूल ने साउथ पॉइंट स्कूल को 1–0 गोल से हराया, वहीं रंगाचंग स्कूल ने गाराचरामा स्कूल को 2–1 गोल से पराजित किया। अंडर–17 बालिका वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में गर्ल्स स्कूल ने सागरीतारा स्कूल को 6–0 गोल से हराया, जबकि रंगाचंग स्कूल ने जंगलीघाट स्कूल को 4–0 गोल से पराजित किया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार बालक एवं बालिका वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में टीमों ने फाइनल में जगह बनाने के लिए शानदार टीम वर्क, खेल भावना और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला 2 अप्रैल को सुबह 8:30 बजे भातूबस्ती स्कूल मैदान में खेला जाएगा।

विम्बर्लीगंज अंचल में अंतर–विद्यालय फुटबॉल टूर्नामेंट सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 31 मार्च।

विम्बर्लीगंज शैक्षिक अंचल द्वारा 24 से 30 मार्च, 2026 तक मिनी स्टेडियम, विम्बर्लीगंज में अंडर–15 बालक तथा अंडर–17 (बालक एवं बालिका) वर्गों के लिए अंतर–विद्यालय फुटबॉल नॉकआउट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। अंडर–15 बालक वर्ग के फाइनल मुकाबले में क्रेसेंट पब्लिक स्कूल ने मार्कज पब्लिक स्कूल को 1–0 गोल से हराया। अंडर–17 बालक वर्ग के फाइनल में सेंट ज़ेवियर्स स्कूल, मनारघाट ने विम्बर्लीगंज स्कूल को 2–0 गोल से पराजित किया। अंडर–17 बालिका वर्ग के फाइनल में मनारघाट स्कूल ने फरारगंज स्कूल को टाई–ब्रेकर में 2–1 गोल से हराया।

प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पुरस्कार वितरण समारोह में विम्बरलीगंज के उप शिक्षा अधिकारी, डॉ. मनोहरन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। श्री वेंकट राम बाबू (प्रधान, विम्बर्लीगंज), श्री पी. अब्दुल बशीर (प्रधान, कन्यापुरम) तथा विम्बर्लीगंज के सेवानिवृत्त पीईटी श्री सुरेश कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और विजेता टीमों को ट्रॉफी, पदक एवं प्रमाण पत्र वितरित किए।

सरकार ने राष्ट्रीय पीएनजी अभियान के दूसरे चरण की अवधि 30 जून तक बढ़ाई

नई दिल्ली, 31 मार्च।

देश भर में प्राकृतिक गैस –पीएनजी के विस्तार में तेजी बनाए रखने के लिए सरकार ने राष्ट्रीय पीएनजी अभियान के दूसरे चरण को इस वर्ष 30 जून तक बढ़ा दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि मार्च माह के दौरान घरेलू, वाणिज्यिक, छात्रावास, मेस और कैंटीन सहित 31 लाख से अधिक कनेक्शनों को गैसयुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, 27 लाख से अधिक नए कनेक्शन दिए गए हैं। मंत्रालय ने बताया कि 1 मार्च से औसतन प्रतिदिन 5 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए हैं। सरकार ने आश्वासन दिया है कि देश में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और पीएनजी का पर्याप्त भंडार है। इसके साथ ही राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों से सही जानकारी प्रसारित करने का आग्रह किया गया है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि 28 फरवरी से अब तक 57 लाख से अधिक यात्री स्वदेश लौट चुके हैं।

एयर डिफेंस सिस्टम होगा और मजबूत, वायुसेना के लिए माउंटेन रडार को मंजूरी

नई दिल्ली, 31 मार्च।

भारतीय वायुसेना के लिए लगभग 1,950 करोड़ रुपए की लागत से स्वदेशी माउंटेन रडार तैयार किए जाएंगे। आज मंगलवार को रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। ये अत्याधुनिक रडार दुर्गम क्षेत्रों में भी सटीकता के साथ काम करने में सक्षम हैं। विशेष रूप से पहाड़ी और कठिन सीमावर्ती इलाकों में भी दुश्मन की हवाई गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ये रडार उपयुक्त हैं।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इन रडार की तैनाती से देश की वायु रक्षा क्षमता (एयर डिफेंस) और मजबूत होगी। साथ ही दुश्मन की किसी भी हरकत का समय रहते पता लगाना आसान होगा।

गौरतलब है कि भारत की सीमाएं, खासकर उत्तर और पूर्व दिशा में, पहाड़ी क्षेत्रों से तो वहीं पश्चिम में रेगिस्तान से घिरी हुई हैं। ऐसे में ये आधुनिक रडार अलग–अलग टेरीयन में भारतीय वायुसेना के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय की यह पहल आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत की गई है। इसके अंतर्गत देश ने रक्षा क्षेत्र में यह एक और बड़ा कदम उठाया है।

मंगलवार को रक्षा मंत्रालय और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के बीच भारतीय वायुसेना के लिए दो माउंटेन रडार खरीदने को लेकर लगभग 1,950 करोड़ रुपए का यह महत्वपूर्ण समझौता हुआ है। यह समझौता 31 मार्च को नई दिल्ली में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह सौदा 'भारतीय–स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित' श्रेणी के तहत किया गया है। इसका अर्थ यह है कि इस परियोजना में देश में विकसित तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इन रडार सिस्टम को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन की इलेक्ट्रॉनिक्स एवं रडार विकास स्थापना द्वारा डिजाइन और विकसित किया गया है।

वहीं, इसका निर्माण भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड करेगी। निर्माण की इस महत्वपूर्ण परियोजना में रडार के साथ–साथ उससे जुड़े उपकरण और जरूरी बुनियादी ढांचे को भी शामिल किया गया है। इस सौदे का एक बड़ा फायदा यह भी है कि इससे विदेशी रक्षा उपकरणों पर निर्भरता कम होगी और देश में ही रक्षा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

साथ ही, इससे देश में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे और घरेलू भारतीय रक्षा उद्योगों को मजबूती मिलेगी। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि यह समझौता भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश की सुरक्षा व्यवस्था को भी और अधिक सशक्त बनाने में मदद मिलेगी।

नागोया प्रोटोकॉल के तहत आईआरसीसी जारी करने में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी

नई दिल्ली, 31 मार्च। नागोया प्रोटोकॉल (एबीएस) के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अनुपालन प्रमाणपत्र (आईआरसीसी) जारी करने में भारत वैश्विक स्तर पर अग्रणी बन गया है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बताया कि आईआरसीसी इस बात का आधिकारिक प्रमाण है कि आनुवंशिक संसाधनों के उपयोगकर्ताओं और प्रदाताओं के बीच पूर्व सूचित सहमति प्राप्त कर ली गई है और पारस्परिक रूप से सहमत शर्तें स्थापित की गई हैं। मंत्रालय ने कहा कि जैविक संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों की पारदर्शिता और उचित बंटवारे को सुनिश्चित करने में ये प्रमाणपत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एबीएस क्लियरिंग हाउस पर उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, भारत ने विश्व स्तर पर जारी किए गए कुल 6,311 आईआरसीसी में से 3561 आईआरसीसी जारी किए हैं।

क्यों लोग बनाते हैं एक–दूसरे को 'अप्रैल फूल'? जानिए कैसे हुई इसकी शुरुआत

नई दिल्ली, 31 मार्च।

हर साल 1 अप्रैल आते ही लोग अपने दोस्तों, परिवार और कभी–कभी अजनबियों को भी हंसाने–फंसाने में लग जाते हैं। किसी को नकली खबर भेज देते हैं, किसी के बैग में मजाकिया चीज रख देते हैं या कुछ और करते हैं और फिर देखते हैं कि सामने वाला कैसे हंसता या गुस्सा होता है। यही है अप्रैल फूल्स डे, एक ऐसा दिन जब दुनिया थोड़ी हल्की–फुल्की हो जाती है।

इस दिन के पीछे एक लंबा इतिहास है। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 16वीं सदी के फ्रांस से हुई थी, जब 1582 में काउंसिल ऑफ ट्रेंट द्वारा 1563 में की गई सिफारिश पर फ्रांस ने जूलियन कैलेंडर से ग्रेगोरियन कैलेंडर को अपना लिया था।

जूलियन कैलेंडर में नया साल अप्रैल के आस–पास शुरू होता था, लेकिन ग्रेगोरियन कैलेंडर में नए साल की शुरुआत 1 जनवरी से होती है। जिन लोगों को इस बात की खबर नहीं थी, वो लोग 1 अप्रैल को ही न्यू ईयर मनाते रहे, जिस वजह से उन्हें मजाक में 'अप्रैल फूल' कहा जाने लगा। धीरे–धीरे यह परंपरा बन गई, जो लोग पीछे रह जाते, उन्हें झूठ–मजाक में फंसाना और उन्हें 'अप्रैल फूल' कहकर चिढ़ाना। मजेदार बात यह है कि कभी–कभी उन पर कागज की मछली चिपका देते थे। मछली का मतलब था, आसानी से फंसने वाला शिकार।

यही परंपरा धीरे–धीरे यूरोप और फिर बाकी दुनिया में फैल गई। अब यह सिर्फ मजाक का दिन बन गया, जब कोई भी किसी को झूठ–मजाक या हल्के प्रैंक से हंसाने की कोशिश करता है। काम या स्कूल–कॉलेज से छुट्टी न मिले, लेकिन इस दिन का माहौल इतना हल्का और मजेदार होता है कि हर कोई इसका हिस्सा बनना चाहता है।

भारत में अप्रैल फूल्स डे की शुरुआत अंग्रेजों के समय में हुई और अब यह काफी पॉपुलर हो चुका है। दोस्तों के बीच मैसेज भेजकर फंसाना, सोशल मीडिया पर प्रैंक वीडियो डालना, या ऑफिस में हल्के–फुल्के मजाक करना, सब इस दिन के हिस्से हैं।

गर्मियों में बड़े काम की है कुंदरू की सब्जी, कब्ज से छुटकारा दिलाने के साथ ही कई बीमारियों की रोकथाम में मददगार

नई दिल्ली, 31 मार्च।

प्रकृति हमें कुछ ऐसी सब्जियां देती है जो दिखने और खाने में भले ही ज्यादा स्वादिष्ट नहीं होती हैं, लेकिन वह गुणों का खजाना होती हैं. गर्मियों के सीजन के साथ ही बाजार में कुंदरू आसानी से मिल जाता है. परवल की तरह दिखने वाला कुंदरू कई रोगों और हार्मोन को नियंत्रित करने में लाभकारी है. कुंदरू में फाइबर, विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में मिल जाते हैं और इसकी सब्जी आसानी से बनकर तैयार भी हो जाती है.

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वाराणसी स्थित सब्जी विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अनुसार कुंदरू में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है, जो पेट और शुगर दोनों का ध्यान रखता है. कुंदरू की सब्जी का सेवन करने से खाना खाने के बाद अचानक बढ़ने वाली शुगर नियंत्रित रहती है. यही कारण है कि इस सब्जी को मधुमेह के रोगियों के लिए संजीवनी कहा गया है. पाचन में आसान होने से जल्दी पच भी जाती है और पेट को ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती. बच्चों से लेकर बुजुर्गों के लिए यह सब्जी फायदेमंद है.

कुंदरू हृदय और कोलेस्ट्रॉल दोनों के लिए लाभकारी है. यह शरीर में बुरे कोलेस्ट्रॉल को बनने से रोकता है और नसों की ब्लॉकेज का खतरा भी कम करता है. अगर आपका कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ रहता है, तो इसका सेवन हफ्ते में तीन बार कर सकते हैं. इसके अलावा कुंदरू में फाइबर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है और पचने में हल्का रहता है.

अगर कब्ज की परेशानी रहती है, तो कुंदरू का सेवन दवा की तरह काम करेगा. यह पुरानी से पुरानी कब्ज को तोड़ने की क्षमता रखता है. कुंदरू में विटामिन सी की मात्रा अधिक होती है, और यही कारण है कि कुंदरू के सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है. यह मौसम बदलने के साथ होने वाले छोटे–छोटे रोगों से सुरक्षा देता है. इसके अलावा, विटामिन सी और विटामिन ए बालों और स्किन के लिए भी लाभकारी हैं. विटामिन सी और विटामिन ए बालों और त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करते हैं.

कुंदरू की चाहे तो सब्जी बनाकर खा सकते हैं, लेकिन अगर कुंदरू का पूरा पोषण लेना है तो इसको भाप में पकाकर हल्का फ्राई कर कम मसालों के साथ खा सकते हैं. यह भले ही स्वाद में बेहतरीन नहीं होगा, लेकिन सेहत के लिए किसी खजाने से कम नहीं है.

सब्जी विज्ञान केंद्र वाराणसी के अनुसार कुंदरू यानी टिंडोरा एक बारहमासी बेल वाली सब्जी है, जिसकी खेती गर्म और आर्द्र जलवायु में अच्छी होती है और यह किसानों को सालभर कमाई देती है. इसकी खेती के लिए अच्छी जल निकास वाली दोमट मिट्टी उपयुक्त होती है. उत्तर भारत में इसकी रोपाई फरवरी–मार्च या जून–जुलाई में की जाती है, जिसमें बीज के बजाय बेल की कटिंग लगाना लाभकारी रहता है. पौधों के लिए मचान (ट्रेलिस) बनाना जरूरी है, जिससे बेल अच्छी तरह फैलती है और उत्पादन बढ़ता है. फल 2–3 महीने में आना शुरू हो जाते हैं और हर 3–4 दिन में तुड़ाई की जा सकती है. उचित देखभाल से 150.200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उत्पादन मिल सकता है, जिससे यह एक लाभदायक सब्जी फसल साबित होती है.

महिलाओं के मुकाबले पुरुषों पर ज्यादा अटैक क्यों करते हैं कुत्ते? जानें हमलावर कुत्तों से कैसे बचाएं जान

नई दिल्ली, 31 मार्च।

पिछले कुछ महीनों में भारत के अलग–अलग हिस्सों से कुत्तों के हमले की घटनाओं की खबरें लगातार आ रही हैं। कई इलाकों में कुत्तों का आतंक तो इस कदर बढ़ गया है कि सुप्रीम कोर्ट तक को इस मामले पर सुनवाई करनी पड़ रही है। पिछले कुछ सालों में कुत्तों की जनसंख्या तेजी से बढ़ी है, और इसी के साथ हमलों की घटनाएं भी बढ़ी हैं। पर क्या आपको पता है कि कुत्तों के हमले के ज्यादातर शिकार पुरुष होते हैं? क्या आप जानते हैं कि इसके पीछे की वजहें क्या हैं?

कई तरह के अध्ययनों में यह साफ हुआ है कि कुत्तों द्वारा हमले के ज्यादातर पीड़ित पुरुष होते हैं, और महिलाएं कम ही इनका शिकार बनती हैं। एक स्टडी में पाया गया था कि कुत्तों द्वारा काटे जाने का पुरुषों का जोखिम लगभग 1.8 गुना था। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि कुत्तों के हमले के 70 फीसदी पीड़ित पुरुष होते हैं। आइए, समझने की कोशिश करते हैं कि आखिर इसके पीछे के कारण क्या हैं:

कुत्तों के सामने ज्यादा एक्सपोजरः पुरुष आमतौर पर महिलाओं से ज्यादा समय घर के बाहर बिताते हैं, और आवारा कुत्तों संपर्क में ज्यादा आते हैं। यही वजह है कि कुत्तों के हमलों के ज्यादातर शिकार भी पुरुष ही होते हैं। ज्यादा जोखिम लेने की प्रवृत्तिः कुछ शोधों में बताया गया है कि पुरुष कुत्तों के सामने कई जोखिम भरे काम करते हैं, इसलिए इन पर उनके हमले भी ज्यादा होते हैं। कई पुरुष कुत्तों को चिढ़ाते हुए, पत्थर मारते हुए या फिर उनके नजदीक जाने पर शिकार बन जाते हैं, जबकि महिलाएं आमतौर पर अनजाने कुत्तों के साथ दूरी बनाए रखती हैं। रोजगार के चलते ज्यादा संपर्कः खेती, कूड़ा उठाने, रेहड़ी–पटरी जैसे पेशों में पुरुषों का अधिक प्रतिनिधित्व होता है, और इन कामों में कुत्तों के साथ संपर्क होने की संभावना भी ज्यादा होती है। कुत्तों के हमलों में पुरुषों के ज्यादा पीड़ित होने की एक वजह ये भी है।

कुत्तों की आक्रामकता से बचने के उपाय

अनजान कुत्ते के पास अचानक न जाएं, न दौड़ें, न भागें। धीरे–धीरे पीछे हटें और आंख से संपर्क सीमित रखें।

किसी भी कुत्ते को छेड़ने, पत्थर मारने या अचानक हाथ बढ़ाने से बचें, यह उसके लिए भड़काऊ हो सकता है।

छोटे बच्चों को सार्वजनिक स्थानों पर बगैर किसी देखभाल के न छोड़ें। बच्चों को कुत्तों के साथ डील करना सिखाएं। अगर कुत्ता आक्रामक दिखे तो अपनी पीठ न दिखाएं, किसी चीज की ओट में छिप जाएं और आवाज धीमी रखें। कुत्ते के द्वारा काटे जाने पर सबसे पहले चोट वाली जगह पर जल्द पानी और साबुन से धोएं, फिर नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जाकर जरूरी टीका लगवाएं। WHO के दिशानिर्देश में काटे जाने पर त्वरित चिकित्सा व टीकाकरण को प्राथमिकता बताया गया है। बता दें कि कुत्ते के काटने के बाद लापरवाही बहुत भारी पड़ सकती है, और रेबीज के संक्रमण के कारण जान भी जा सकती है। बता दें कि भारत में हर साल रेबीज संक्रमण के कारण बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती है।